| सत्य मेव जयते |

हृदयांश- सौरभ - स्वास्थ्य विभाग

सुपौत्र - श्रीमती रामप्यारी-स्व. श्री हीरालाल जी साहू
सुपुत्र- स्व. श्रीमती मीरा (पूर्व प्रधान)- श्री श्रीराम जी साहू
(मोदी परिवार) ग्राम- बिरधा ब्लाक, जिला- ललितपुर उ.प्र.

संग

हृदयाँशी - नेहा (भूमि)

सुपौत्री- श्रीमती काशीबाई- स्व. श्री गोरेलाल जी साहू
सुपुत्री- श्रीमती सोमती-श्री मूलचन्द्र जी साहू
ग्राम- सौरई (मड़ावरा), जिला- ललितपुर उ.प्र

वैशाख वदी
मंगलवार - दिनांक 14/4/2026
मण्डपाच्छादन
प्रतिभोज स्थल - गोमती हाऊस बिरधा

विवाह स्थल -

दिनांक 15-04-2026 बुधवार ,सुबह 9 बजे
बारात निज निवास मोदी हाऊस से
श्री श्री 1008 श्री लहरधाम धवा
(मड़ावरा), जिला- ललितपुर के लिए प्रस्थान करेगी

(समस्त वैवाहिक कार्यक्रम दिन मे सम्पन्न होंगे)

- गोदी फलदान प्रातः 10 बजे से
- प्रीतिभोज दोपहर 12 बजे से
- रिंग सेरेमनी दोपहर 2 बजे से
  बारात 4 बजे
  सात फेरे 6 बजे

RSVP

शांति देहदान चैरिटेबल ट्रस्ट (SDC.TRUST,
LALITPUR U.P. 284403)

मोदी परिवार का स्नेहिल आमंत्रण

मोबाइल - 7398765523, 7007068869, 9628523570

प्रतिष्ठा में श्री.

शपथ

भारत का संविधान "उद्देशिका"

हम, (सौरभ साहू एवं नेहा) भारत को एक संपूर्ण प्रतिष्ठा और अवसर की समता, प्रभुत्व संपन्न, समाजवादी, पंथ निरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए तथा उसके समस्त नागरिकों को सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक न्याय विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, उपासना की स्वतंत्रता, प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता और अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर आज तारीख 15 अप्रैल, 2026 ई. को एतद्वारा इस वैवाहिक बंधन को अंगीकृत करते हुए एक दूसरे को आत्मसात करते हैं।

तारीख 15 अप्रैल, 2026 ई. को वैवाहिक बंधन

विवाह स्थल -

दिनांक 15-04-2026 बुधवार ,सुबह 9 बजे
बारात निज निवास मोदी हाऊस से
श्री श्री 1008 श्री लहरधाम धवा
(मड़ावरा), जिला- ललितपुर के लिए प्रस्थान करेगी

(समस्त वैवाहिक कार्यक्रम दिन मे सम्पन्न होंगे)

- गोदी फलदान प्रातः 10 बजे से
- प्रीतिभोज दोपहर 12 बजे से
- रिंग सेरेमनी दोपहर 2 बजे से
  बारात 4 बजे
  सात फेरे 6 बजे

RSVP

शांति देहदान चैरिटेबल ट्रस्ट (SDC.TRUST,
LALITPUR U.P. 284403)

मोदी परिवार का स्नेहिल आमंत्रण

मोबाइल - 7398765523, 7007068869, 9628523570

समयाभाव के कारण निमंत्रण पत्र को ही हमारी उपस्थिति मानकर पधारने की कृपा करें ।

शपथ ग्रहण

सौ. नेहा साहू संग चि. सौरभ साहू

भारत का संविधान, उद्देशिका

मैं नेहा साहू पुत्री मूलचन्द साहू निवासिनी ग्राम सौरई तहसील मड़ावरा जिला ललितपुर भारत को एक संपूर्ण प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्रभुत्व सम्पन्न समाजवादी पंथ निरपेक्ष लोकतत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए तथा उसके समस्त नागरिकों को सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक न्याय विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, उपासना की स्वतंत्रता प्राप्त कराने के लिए तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता तथा अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर आज तारीख 15 अप्रैल 2026 ई0 दिन बुधवार को एतदद्वारा सौरभ साहू पुत्र श्रीराम साहू निवासी ग्राम बिरधा तहसील व जिला ललितपुर के साथ वैवाहिक बंधन को अंगीकृत करते हुए एक दूसरे को आत्मसात करते हैं ।

15 APR 2026

Saurabh
(सौरभ साहू)

Neha
(नेहा साहू)

गवाह 1–

1– मूलचन्द

2– मुन्नीदेवी (मौसी)

2– सोमती

(S P Yadav)

Regd. No. IV-46/2025

(Sri Ks. Sing)

रजि.नं. IV-46/2025

अप्प दीपो भव

https://shantidehdantrust.org

शान्ति देहदान चैरिटेबल ट्रस्ट

संस्थापक
खुशाल चन्द्र साहू

(SDC. TRUST, LALITPUR U.P. 284403)

प्रेरणा स्रोत
बोधिसत्व शान्ति साहू

Contact us. 9451575733, 9919591059, 9450037808,9198667990,9889254354
E.Mail.:shantidehdancherity.2025@gmail.com

• चिकित्सा शिक्षा एवं मानव कल्याण हेतु देहदान, अंगदान कराना • अज्ञात व असहायो को चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना

पत्रांक.................
एस0डी0सी0 ट्रस्ट/प्रमाण–पत्र/ संविधान–शपथ/वैवाहिक–बंधन/2026–27– 7

दिनांक 15 APR 2026

• सत्यमेव जयते •

•विवाह प्रमाण–पत्र•

प्रमाणित किया जाता है कि **सौ.कां. सुश्री नेहा साहू पुत्री श्री मूलचन्द साहू** निवासी ग्राम सौंरई, जिला– ललितपुर एवं **चि. श्री सौरभ साहू पुत्र श्री श्रीराम साहू** निवासी ग्राम बिरधा, जिला– ललितपुर उत्तर प्रदेश ने दिनांक– 15 अप्रेल सन् 2026 को **"शान्ति देहदान चौरिटेबल ट्रस्ट"** के समक्ष उपस्थित होकर, **भारत के संविधान की उद्देशिका की शपथ लेकर तथा संविधान की परिक्रमा कर** दोनों पक्षों ने पूर्ण स्वतंत्रता, स्वेच्छा और सहमति से **वैवाहिक बंधन** में बंधने का संकल्प लेकर **एक–दूसरे को जीवन–साथी के रूप में आत्मसात किया है। जो समर्पण और निःस्वार्थ प्रेम का सुंदरतम प्रतीक है।**

शान्ति देहदान चौरिटेबल ट्रस्ट के द्वारा इस विवाह को पूर्ण रूप से सामाजिक मान्यता प्रदान की जाती है। यह विवाह किसी आडम्बर या फिजूलखर्ची के बजाय न्याय, स्वतंत्रता, समानता एवं बंधुत्व रूपी संवैधानिक आदर्शों पर आधारित है। ट्रस्ट दोनों नव–दंपति के उज्ज्वल भविष्य एवं सुखी समृद्ध दाम्पत्य जीवन तथा समाज के प्रति सकारात्मक योगदान देने की कामना करते हुए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ देता है।

यह प्रमाण–पत्र उनके वैवाहिक जीवन की स्मृति, नैतिक प्रतिबद्धता और सामाजिक सम्मान के रूप में प्रदान किया गया है।

स्थान–धवा/लहर धाम, जिला – ललितपुर, उत्तर प्रदेश

शुभेक्षु

(ट्रस्ट कमेटी)

शान्ति देहदान चैरिटेबल ट्रस्ट
Regd. No. IV-46/2025
ललितपुर (उ0प्र0)

अध्यक्ष

महामंत्री

18 अप्रैल 26

ललितपुर में अनूठी शादी : 'सम्विधान को साक्षी मानकर सौरई की युवती और बिरधा के युवक ने रचाई शादी'

- **भारत के सम्विधान की उद्देशिका को पढ़कर वर-वधू एक-दूसरे के हमसफर बने**

ललितपुर : नये तरीके से एक-दूजे के हुए नवदम्पति। -फोटो जागरण

ललितपुर ब्यूरो : जनपद में एक ऐसा अनूठा विवाह सम्पन्न हुआ, जो परम्परागत रीति-रिवाजों से इतर सम्वैधानिक मूल्यों और आधुनिक विचारधारा की नई इबारत लिख गया। शान्ति देहदान चैरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में ग्राम बिरधा के युवक और ग्राम सौरई की युवती का विवाह पूरी तरह सम्वैधानिक पद्धति से सम्पन्न हुआ। इस विवाह में न तो अग्नि के 7 फेरे हुए और न ही कोई संस्कार, बल्कि भारत के सम्विधान की उद्देशिका को पढ़कर वर-वधू एक-दूसरे के हमसफर बने।

गुरुवार को आयोजित इस समारोह में मास्टर ऑफ सेरेमनी के माध्यम से हर रस्म को सम्वैधानिक और सामाजिक अर्थों के साथ जोड़ा गया। कार्यक्रम की शुरुआत वर-वधू के स्वागत के साथ हुई। इसके बाद दोनों पक्षों के माता-पिता को मंच पर आमंत्रित कर वन्दे मातरम् गान के बीच उनका सम्मान किया गया। वर-वधू ने एक-दूसरे के माता-पिता के चरण स्पर्श कर आशीर्वाद लिया, जिसे ट्रस्ट ने जन्म देने वालों के प्रति सर्वोच्च दायित्व बताया। विवाह का सबसे मुख्य आकर्षण रहा सम्विधान का सम्मान। वर और वधू ने सम्विधान की प्रतिकृति के समक्ष पुष्पांजलि अर्पित की और मौन नमन किया। इसके बाद ट्रस्ट के प्रतिनिधि डॉ. के एस यादव ने भारत के सम्विधान की उद्देशिका के प्रति निष्ठा की शपथ दिलाई। वर-वधू ने हाथ जोड़कर सम्विधान को अपना सर्वोच्च गुरु मानते हुए एक-दूसरे को जीवनभर साथ निभाने और समानता के भाव से रहने का संकल्प लिया। शपथ ग्रहण के बाद उन्होंने सम्विधान की परिक्रमा की। रस्मों के बीच वर सौरभ ने नेहा को प्रतीकात्मक रूप से मंगलसूत्र पहनाया और सिंदूर लगाया। इसके बाद वर-वधू उनके माता-पिता और दो गवाहों ने शपथ-पत्र पर हस्ताक्षर किए। ट्रस्ट के संस्थापक खुशाल चंद्र साहू ने आधिकारिक विवाह प्रमाण-पत्र और सम्विधान की एक प्रति नवदम्पति को उप स्वरूप भेंट की।

ट्रस्ट का सन्देश

यह विवाह सम्विधान की मूल भावना से प्रेरित है। हमारा उद्देश्य सामाजिक जागरूकता फैलाना और सम्वैधानिक मूल्यों को घर-घर तक पहुँचाना है।

● खुशाल चन्द्र साहू
संस्थापक शान्ति देहदान चैरिटेबल ट्रस्ट।

बेटी का सशक्तिकरण और राष्ट्रगान

ट्रस्ट ने इस विवाह के माध्यम से बेटी के आधुनिक सशक्तिकरण का सन्देश दिया। वधू पक्ष की ओर से कहा गया कि विवाह के बाद भी बेटी का स्वामित्व नहीं बदलता, वह सदैव अपने माता-पिता की सन्तान बनी रहती है। समारोह का समापन सामूहिक राष्ट्रगान जन गण मन के साथ हुआ। इस अनूठे आयोजन को देखने के लिए ग्राम बिरधा और सौरई से भारी संख्या में पुरुष व महिलाएं मौजूद रहे। इस दौरान ट्रस्ट की कोषाध्यक्ष सुषमा साध, वन्दना मेहता, जेपी यादव, सामंत सिंह यादव सहित वर पक्ष से पिता मूलचन्द, सोमती और वधू पक्ष से पिता श्रीराम, मदनलाल व अन्य परिजन उपस्थित रहे।

भारत का संविधान

भारत का संविधान

भारत का संविधान

शान्ति देहदान चैरिटेबल ट्रस्ट
शान्ति देहदान चैरिटेबल ट्रस्ट

भारत
का
संविधान

भारत
का
संविधान

शपथग्रहण
15 अप्रैल 2026

प्रमाण पत्र

गठबन्धन

DAT NEWS
हर खबर आप तक
/datnewsnetwork

दैनिक
अयोध्या टाइम्स
RNI NO.: UPHIN/2015/67284
समस्या आपकी-आवाज हमारी

वर्ष : 12 | अंक : 47 | पृष्ठ : 08+08 | कानपुर, शुक्रवार, 17 अप्रैल 2026 | कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित | Web : dainikayodhyatimes.com | मूल्यः 1 रु0

दिल्ली, उत्तर प्रदेश, बिहार, गोवा, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, पंजाब, राजस्थान, हरियाणा, असम, त्रिपुरा, पश्चिम बंगाल, जम्मू & कश्मीर में प्रसारित

संविधान की शपथ के साथ संपन्न हुआ अनोखा विवाह

अयोध्या टाइम्स | ललितपुर

शान्ति देहदान चैरिटेबल ट्रस्ट की पहल पर जिले में एक अनूठा और प्रेरणादायक विवाह समारोह संपन्न हुआ, जिसमें परंपरागत रस्मों के साथ संविधान की मूल भावना को केन्द्र में रखा गया। यह आयोजन ट्रस्ट द्वारा संविधान से प्रेरित शादी विवाह अभियान के तहत किया गया, जो समाज में समानता, न्याय और बंधुत्व के मूल्यों को बढ़ावा देने का प्रयास है। मड़ावरा ब्लॉक के ग्राम धवा स्थित लहरधाम में आयोजित इस समारोह में ग्राम बिरधा निवासी सौरभ साहू और ग्राम सौंरई की नेहा साहू का विवाह पूर्ण रूप से संवैधानिक विधि से सम्पन्न कराया गया। कार्यक्रम की शुरुआत वंदे मातरम के साथ हुई और समापन राष्ट्रगान जन गण मन के साथ किया गया। लगभग 45 से 60 मिनट तक चले इस आयोजन में सभी प्रमुख रस्में मंच पर सम्पन्न हुईं। समारोह का मुख्य आकर्षण संविधान की उद्देशिका के समक्ष वर-वधू द्वारा शपथ ग्रहण रहा, जिसे ट्रस्ट प्रतिनिधि डा.के.एस. यादव ने संपन्न कराया। दोनों ने वैवाहिक जीवन में एक-दूसरे के प्रति सम्मान, समानता और सहयोग का संकल्प लिया। इसके साथ ही संविधान की प्रतिकृति के समक्ष पुष्पांजलि अर्पित कर मौन नमन किया गया तथा उसकी परिक्रमा, हस्ताक्षर और आधिकारिक विवाह प्रमाण-पत्र भी प्रदान किया गया। कार्यक्रम में जयमाला विनिमय, मंगलसूत्र बंधन, सिंदूर दान और कंगन जैसी पारंपरिक रस्मों का भी प्रतीकात्मक रूप से निर्वहन किया गया। वर-वधू ने अपने माता-पिता का चरण स्पर्श कर सम्मान व्यक्त किया और उन्हें पुष्पगुच्छ भेंट किए। इस अवसर पर वधू सशक्तिकरण का संदेश देते हुए कहा गया कि बेटी विवाह के बाद भी अपने माता-पिता की बेटी बनी रहती है। ट्रस्ट के संस्थापक खुशाल चन्द्र साहू ने नवदंपति को संविधान की प्रतिकृति भेंट की। कार्यक्रम में ग्राम सौंरई के प्रधान भगवान दास रजक एवं बिरधा की ग्राम प्रधान अनीता साहू सहित दोनों पक्षों के परिजन, गवाह और बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। अंत में सभी ने नवदंपति को आशीर्वाद दिया और पुष्प वर्षा कर राष्ट्रगान के साथ समारोह का समापन किया। गौरतलब है कि शान्ति देहदान चैरिटेबल ट्रस्ट देहदान, अंगदान और सामाजिक जागरूकता के क्षेत्र में सक्रिय है। ट्रस्ट द्वारा यह इस प्रकार का एक वर्ष में दूसरा आयोजन है, इससे पूर्व 23 सितंबर 2025 को भी एक विवाह इसी अवधारणा के तहत सम्पन्न कराया गया था। इस दौरान ट्रस्ट कमेटी से सुषमा साध कोषाध्यक्ष, वंदना मेहता काउंसलर, जेपी यादव वित्तीय पर्यवेक्षक एवं सामंत सिंह यादव ट्रस्टी मौजूद थे। वर पक्ष से- माता सोमती, पिता मूलचंद, परिवार से हरीराम, कोमल, सुखलाल अरविंद एवं अभय, वधू पक्ष से पिता श्रीराम, मदन लाल, दिनेश कुमार, बहिन डोली, मौसी मुन्नी देवी एवं गीता आदि शामिल रहे।

संविधान की शपथ के साथ संपन्न हुआ अनोखा विवाह

प्रदेश सत्ता | ललितपुर

शान्ति देहदान चैरिटेबल ट्रस्ट की पहल पर जिले में एक अनूठा और प्रेरणादायक विवाह समारोह संपन्न हुआ, जिसमें परंपरागत रस्मों के साथ संविधान की मूल भावना को केन्द्र में रखा गया। यह आयोजन ट्रस्ट द्वारा संविधान से प्रेरित शादी विवाह अभियान के तहत किया गया, जो समाज में समानता, न्याय और बंधुत्व के मूल्यों को बढ़ावा देने का प्रयास है। मड़ावरा ब्लॉक के ग्राम धवा स्थित लहरधाम में आयोजित इस समारोह में ग्राम बिरधा निवासी सौरभ साहू और ग्राम सौंरई की नेहा साहू का विवाह पूर्ण रूप से संवैधानिक विधि से सम्पन्न कराया गया। कार्यक्रम की शुरुआत वंदे मातरम के साथ हुई और समापन राष्ट्रगान जन गण मन के साथ किया गया। लगभग 45 से 60 मिनट तक चले इस आयोजन में सभी प्रमुख रस्में मंच पर सम्पन्न हुईं। समारोह का मुख्य आकर्षण संविधान की उद्देशिका के समक्ष वर-वधू द्वारा शपथ ग्रहण रहा, जिसे ट्रस्ट प्रतिनिधि डा.के. एस. यादव ने संपन्न कराया। दोनों ने वैवाहिक जीवन में एक-दूसरे के प्रति सम्मान, समानता और सहयोग का संकल्प लिया। इसके साथ ही संविधान की प्रतिकृति के समक्ष पुष्पांजलि अर्पित कर मौन नमन किया गया तथा उसकी परिक्रमा, हस्ताक्षर और आधिकारिक विवाह प्रमाण-पत्र भी प्रदान किया गया। कार्यक्रम में जयमाला विनिमय, मंगलसूत्र बंधन, सिंदूर दान और कंगन जैसी पारंपरिक रस्मों का भी प्रतीकात्मक रूप से निर्वहन किया गया। वर-वधू ने अपने माता-पिता का चरण स्पर्श कर सम्मान व्यक्त किया और उन्हें पुष्पगुच्छ भेंट किए। इस अवसर पर वधू सशक्तिकरण का संदेश देते हुए कहा गया कि बेटी विवाह के बाद भी अपने माता-पिता की बेटी बनी रहती है। ट्रस्ट के संस्थापक खुशाल चन्द्र साहू ने नवदंपति को संविधान की प्रतिकृति भेंट की। कार्यक्रम में ग्राम सौंरई के प्रधान भगवान दास रजक एवं बिरधा की ग्राम प्रधान अनीता साहू सहित दोनों पक्षों के परिजन, गवाह और बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। अंत में सभी ने नवदंपति को आशीर्वाद दिया और पुष्प वर्षा कर राष्ट्रगान के साथ समारोह का समापन किया। गौरतलब है कि शान्ति देहदान चैरिटेबल ट्रस्ट देहदान, अंगदान और सामाजिक जागरूकता के क्षेत्र में सक्रिय है। ट्रस्ट द्वारा यह इस प्रकार का एक वर्ष में दूसरा आयोजन है, इससे पूर्व 23 सितंबर 2025 को भी एक विवाह इसी अवधारणा के तहत सम्पन्न कराया गया था। इस दौरान ट्रस्ट कमेटी से सुषमा साध कोषाध्यक्ष, वंदना मेहता काउंसलर, जेपी यादव वित्तीय पर्यवेक्षक एवं सामंत सिंह यादव ट्रस्टी मौजूद थे। वर पक्ष से- माता सोमती, पिता मूलचंद, परिवार से हरीराम, कोमल, सुखलाल अरविंद एवं अभय, वधू पक्ष से पिता श्रीराम, मदन लाल, दिनेश कुमार, बहिन डोली, मौसी मुन्नी देवी एवं गीता आदि शामिल रहे।

RNI No : UPHIN/2012/49131
वर्ष 14, अंक 333
सुलतानपुर, शुक्रवार 17 अप्रैल 2026
पृष्ठ 8, मूल्य ₹ 1

Follow us on:

संस्थापक : श्री मस्तराम मिश्रा

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

अवध की जंग

नई दिल्ली व लखनऊ से संचालित सुल्तानपुर से प्रकाशित मध्य प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, चंडीगढ़, हिमाचल प्रदेश, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, राजस्थान, उत्तराखंड, बिहार सहित उत्तर प्रदेश के अलीगढ़, अयोध्या, आगरा, अंबेडकर नगर, आजमगढ़, अमेठी, अमरोहा, औरैया, बिजनौर, बलिया, बलरामपुर, भदोही, बदायूं, बाराबंकी, बस्ती, बरेली, बहराइच, बागपत, बुलंदशहर, बांदा, चित्रकूट, चंदौली, देवरिया, इटावा, एटा फर्रुखाबाद, फतेहपुर, फिरोजाबाद, गाजियाबाद, गोरखपुर, गौतम बुद्ध नगर, गोंडा, गाजीपुर, हाथरस, हमीरपुर, हरदोई, हापुड़, जौनपुर, जालौन, झांसी, कानपुर देहात, कुशीनगर, कानपुर नगर, कन्नौज, कौशांबी, कासगंज, लखीमपुर खीरी, ललितपुर, मुजफ्फरनगर, महोबा, मिर्जापुर, मुरादाबाद, मेरठ, मऊ, महाराजगंज, मथुरा, मैनपुरी, प्रयागराज, पीलीभीत, प्रतापगढ़, रायबरेली, रामपुर सोनभद्र, शामली, सहारनपुर, सम्भल, सीतापुर, संत कबीर नगर, सिद्धार्थ नगर, शाहजहांपुर, श्रावस्ती, उन्नाव, वाराणसी से प्रसारित

संविधान की शपथ के साथ संपन्न हुआ अनोखा विवाह

समानता और न्याय का दिया संदेश

अवध की जंग (ब्यूरो)

ललितपुर। शान्ति देहदान चैरिटेबल ट्रस्ट की पहल पर जिले में एक अनूठा और प्रेरणादायक विवाह समारोह संपन्न हुआ, जिसमें परंपरागत रस्मों के साथ संविधान की मूल भावना को केन्द्र में रखा गया। यह आयोजन ट्रस्ट द्वारा संविधान से प्रेरित शादी विवाह अभियान के तहत किया गया, जो समाज में समानता, न्याय और बंधुत्व के मूल्यों को बढ़ावा देने का प्रयास है। मड़ावरा ब्लॉक के ग्राम धवा स्थित लहरधाम में आयोजित इस समारोह में ग्राम बिरधा निवासी सौरभ साहू और ग्राम सौंरई की नेहा साहू का विवाह पूर्ण रूप से संवैधानिक विधि से सम्पन्न कराया गया। कार्यक्रम की शुरुआत वंदे मातरम के साथ हुई और समापन राष्ट्रगान जन गण मन के साथ किया गया। लगभग 45 से 60 मिनट तक चले इस आयोजन में सभी प्रमुख रस्में मंच पर सम्पन्न हुईं। समारोह का मुख्य आकर्षण संविधान की उद्देशिका के समक्ष वर-वधू द्वारा शपथ ग्रहण रहा, जिसे ट्रस्ट प्रतिनिधि डा.के.एस. यादव ने संपन्न कराया। दोनों ने वैवाहिक जीवन में एक-दूसरे के प्रति सम्मान, समानता और सहयोग का संकल्प लिया। इसके साथ ही संविधान की प्रतिकृति के समक्ष पुष्पांजलि अर्पित कर मौन नमन किया गया तथा उसकी परिक्रमा, हस्ताक्षर और आधिकारिक विवाह प्रमाण-पत्र भी प्रदान किया गया। कार्यक्रम में जयमाला विनिमय, मंगलसूत्र बंधन, सिंदूर दान और कंगन जैसी पारंपरिक रस्मों का भी प्रतीकात्मक रूप से निर्वहन किया गया। वर-वधू ने अपने माता-पिता का चरण स्पर्श कर सम्मान व्यक्त किया और उन्हें पुष्पगुच्छ भेंट किए। इस अवसर पर वधू सशक्तिकरण का संदेश देते हुए कहा गया कि बेटी विवाह के बाद भी अपने माता-पिता की बेटी बनी रहती है। ट्रस्ट के संस्थापक खुशाल चन्द्र साहू ने नवदंपति को संविधान की प्रतिकृति भेंट की। कार्यक्रम में ग्राम सौंरई के प्रधान भगवान दास रजक एवं बिरधा की ग्राम प्रधान अनीता साहू सहित दोनों पक्षों के परिजन, गवाह और बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। अंत में सभी ने नवदंपति को आशीर्वाद दिया और पुष्प वर्षा कर राष्ट्रगान के साथ समारोह का समापन किया। गौरतलब है कि शान्ति देहदान चैरिटेबल ट्रस्ट देहदान, अंगदान और सामाजिक जागरूकता के क्षेत्र में सक्रिय है। ट्रस्ट द्वारा यह इस प्रकार का एक वर्ष में दूसरा आयोजन है, इससे पूर्व 23 सितंबर 2025 को भी एक विवाह इसी अवधारणा के तहत सम्पन्न कराया गया था। इस दौरान ट्रस्ट कमेटी से सुषमा साध कोषाध्यक्ष, वंदना मेहता काउंसलर, जेपी यादव वित्तीय पर्यवेक्षक एवं सामंत सिंह यादव ट्रस्टी मौजूद थे। वर पक्ष से- माता सोमती, पिता मूलचंद, परिवार से हरीराम, कोमल, सुखलाल अरविंद एवं अभय, वधू पक्ष से पिता श्रीराम, मदन लाल, दिनेश कुमार, बहिन डोली, मौसी मुन्नी देवी एवं गीता आदि शामिल रहे।

संविधान के तहत शादी के दौरान मौजूद लोग

नवदीप संदेश

संविधान की शपथ के साथ संपन्न हुआ अनोखा विवाह समानता और न्याय का दिया संदेश

नवदीप संदेश संवाददाता ललितपुर/ध्बुंदेलखंड।

शान्ति देहदान चौरिटेबल ट्रस्ट की पहल पर जिले में एक अनूठा और प्रेरणादायक विवाह समारोह संपन्न हुआ, जिसमें परंपरागत रस्मों के साथ संविधान की मूल भावना को केंद्र में रखा गया। यह आयोजन ट्रस्ट द्वारा "संविधान से प्रेरित शादी विवाह" अभियान के तहत किया गया, जो समाज में समानता, न्याय और बंधुत्व के मूल्यों को बढ़ावा देने का प्रयास है।

मड़ावरा ब्लॉक के ग्राम धावा स्थित लहरधाम में आयोजित इस समारोह में ग्राम बिरधा निवासी सौरभ साहू और ग्राम सोंरई की नेहा साहू का विवाह पूर्णतः संवैधानिक विधि से सम्पन्न कराया गया। कार्यक्रम की शुरुआत "वंदे मातरम्" के साथ हुई और समापन राष्ट्रगान "जन गण मन" के साथ किया गया। लगभग 45 से 60 मिनट तक चले इस आयोजन में सभी प्रमुख रस्में मंच पर सम्पन्न हुईं।

समारोह का मुख्य आकर्षण संविधान की उद्देशिका के समक्ष वर–वधू द्वारा शपथ ग्रहण रहा, जिसे ट्रस्ट प्रतिनिधि डॉ. के. एस. यादव ने संपन्न कराया। दोनों ने वैवाहिक जीवन में एक–दूसरे के प्रति सम्मान, समानता और सहयोग का संकल्प लिया। इसके साथ ही संविधान की प्रतिकृति के समक्ष पुष्पांजलि अर्पित कर मौन नमन किया गया तथा उसकी परिक्रमा, हस्ताक्षर और आधिकारिक विवाह प्रमाण–पत्र भी प्रदान किया गया।

कार्यक्रम में जयमाला विनिमय, मंगलसूत्र बंधन, सिंदूर दान और कंगन जैसी पारंपरिक रस्मों का भी प्रतीकात्मक रूप से निर्वहन किया गया। वर–वधू ने अपने माता–पिता का चरण स्पर्श कर सम्मान व्यक्त किया और उन्हें पुष्पगुच्छ भेंट किए।

इस अवसर पर वधू सशक्तिकरण का संदेश देते हुए कहा गया कि "बेटी विवाह के बाद भी अपने माता–पिता की बेटी बनी रहती है।"

ट्रस्ट के संस्थापक खुशाल चन्द्र साहू ने नवदंपति को संविधान की प्रतिकृति भेंट की। कार्यक्रम में ग्राम सोंरई के प्रधान भगवान दास रजक एवं बिरधा की ग्राम प्रधान श्रीमती अनीता साहू सहित दोनों पक्षों के परिजन, गवाह और बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। अंत में सभी ने नवदंपति को आशीर्वाद दिया और पुष्प वर्षा कर राष्ट्रगान के साथ समारोह का समापन किया।

गौरतलब है कि शान्ति देहदान चौरिटेबल ट्रस्ट देहदान, अंगदान और सामाजिक जागरूकता के क्षेत्र में सक्रिय है। ट्रस्ट द्वारा यह इस प्रकार का एक वर्ष में दूसरा आयोजन है, इससे पूर्व 23 सितंबर 2025 को भी एक विवाह इसी अवधारणा के तहत सम्पन्न कराया गया था।

इस दौरान ट्रस्ट कमेटी से सुषमा साध कोषाध्यक्ष, वंदना मेहता काउंसलर, जेपी यादव वित्तीय पर्यवेक्षक एवं सामंत सिंह यादव ट्रस्टी मौजूद थे

वर पक्ष से– माता सोमती, पिता मूलचंद, परिवार से हरीराम,कोमल, सुखलाल अरविंद एवं अभय ,वधू पक्ष से– पिता श्रीराम, मदन लाल दिनेश कुमार, बहिन डोली, मौसी मुन्नी देवी एवं गीता आदि शामिल रहे